جیلٌ بلا مُهمَلات

JIIL QASHIN LA'AAN AH

स्वच्छ पीढ़ी

کچرے سے پاک نسل

SKRÄPFRI GENERATION

NO LITTER GENERATION

KEEP SWEDEN TIDY

NO LITTER generation

نسل بدون زباله

GÉNÉRATION SANS DÉCHETS

GENERACIÓN SIN RESIDUOS

نسل بدون كثافات

GERAÇÃO SEM SUJEIRA

फोहोर नफाल्ने दिन

THE WORLD'S CHILDREN'S PRIZE FOR THE RIGHTS OF THE CHILD

WITH SUPPORT FROM SVENSKA POSTKOD LOTTERIET

WITH SUPPORT FROM UNITED POSTCODE LOTTERIES

दि नो लिटर जेनरेशन

कचरा लगभग हर जगह पृथ्वी पर पाया जा सकता है - भूमि पर, झीलों में और महासागरों में। लेकिन तुम और विश्व भर के अन्य बच्चे एवं युवा परिवर्तन ला सकते हो। नो लिटर पीढ़ी के माध्यम से, तुम हर बच्चे के एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण में अधिकार के लिए खड़े हो सकते हैं, और जलवायु परिवर्तन से लड़ सकते हो।

मानव इतिहास केबहुमत केलिए, कचरा एक बड़ी समस्या नहीं रही है। इसका अधिकांश भाग जैविक, भोजन और रसोई का कचरा था, जो विघिटत हुआ और वापस पृथ्वी में चला गया।

समस्याएं तब शुरू हुईं जब शहर आकार में बढ़े हुए और हमने परयोगात्मक नई सामगरीयां पराप्त की जैसे प्लास्टिक। सुरक्षित कन्टेनरों में भोजन और अन्य सामान को स्टोर करना आसान था। हालाँकि, इसने बहुत अधिक अपशिष्ट उत्पन्न किया जो अपने आप विघिटत नही होता।

प्लास्टिक नहीं समाप्त होता

प्लास्टिक कचरे को छोटे अंशों में विघिटत होने में सैकड़ों, या हजारों साल लग सकते हैं। यह हवा में या निदयों और बारिश केपानी दवारां लंबी दूरीयों तक यातरा कर सकते हैं। हमारे महासागरों में परति वषर 80 लाख टन प्लास्टिक पहुंचता है। प्लास्टिक केछोटे टुकड़े (माइकरोप्लास्टिक्स) नुकसान पहुंचा सकते हैं। माइकरोप्लास्टिकस को छोटे जीवों जैसे पशु प्लवक तथा क्लैम दवारा खाया जा सकता है। जब इन जीवों को बड़े जानवरों दवारा खाया जाता है, तो प्लास्टिक खादय शरृंखला में आगे चला जाता है। अंत में, तुम जिस मछली को रात केखाने में खाते हो, उसमें प्लास्टिक हो सकता है।

कचरा निपटाने में पैसा खचर होता है

यह अनुमान लगाना किठन होगा कि सारे विश्व में कचरे केनिपटान में कितनी लागत आती है। कई देश कचरे को साफ करने और उठाने में बहुत सारे संसाधन लगाते हैं, लेकिन शुरू से ही कचरे को सही तरह से निपटाना सस्ता पड़ता है।

जिस अपशिष्ट का पुर्ननवीनीकरण किया जा सकता है या जलाया जा सकता है, उस विशेष कचरे के ढेरों में रखा जाना चाहिए, जहां यह पर्यावरण को कम से कम हानि पहुंचाता है। लेकिन बहुत से लोग लापरवाह होते हैं और वस्तुओं को गलत जगह फेंक देते हैं। जिन सामग्रियों का पुर्ननवीनीकरण किया जाना चाहिए, यदि वह उस कचरे में पहुच जाता है जिसे जला दिया जाता है, और बहुत कुछ कचरे के रूप में जमीन पर पहुंच जाता है। यह पृथ्वी के संसाधनों की बर्बादी है क्योंकि बहुत सी वस्तुओं का उपयोग बार-बार किया जा सकता है।

जब कचरे को बिना सोचे-समझे फेंक दिया जाता है, तो यह दोनों पशुओं और लोगों को हानि पहुंचा सकता है। उदाहरण के लिए, रोग मल और सुइयों के माध्यम से फैलते हैं। बहुत सारे कचरे में खतरनाक पदार्थ भी होते हैं जिन्हें प्रकृति में रिसना नहीं चाहिए।

धन का अर्थ है अधिक अपशिष्ट

अमीर देश विशेष रूप से शहरों में सबसे अधिक अपशिष्ट और कचरा उत्पन्न करते हैं। लेकिन कभी-कभी ऐसा भी लग सकता है कि गरीब देशों में अधिक कूचरा है क्योंकि उनके पास अक्सर कचरे को इकट्ठा करने और रिसाइकल करने के लिए अच्छी प्रणालायों की कमी होती है। परिणामस्वरूप, कई लोग सड़कों पर अथवा खुले कचरे के ढेरों में कूड़ा फेंकने के लिए मजबूर होते हैं। बहुत सारे कचरा एवं अपशिष्ट उड़ सकता है और झीलों एवं महासागरों में पहुंच सकता है।

दूसरी ओर, धनवान देश अपने कचरे का निपटान कर सकते हैं। इसलिए वह सड़कों पर उतना नहीं दिखता है। कभी-कभी कुछ बहुत खतरनाक कचरे जैसे इलेक्ट्रॉनिक कचरे और रसायनों को गरीब देशों में तक भेज दिया जाता है।

कचरा वह सब कुछ है जो जमीन पर या झीलों और समुद्रों में समाप्त होता है, और उसे वहाँ नहीं होना चाहिए, जैसे कांच की बोतलें, प्लास्टिक की थैलियां, टिन, सिगरेट के अंश या मिठाईयों के रैपर।

परिवतरन केलिए काम करना

यह सुनिश्चत करना सभी की जिम्मेदारी है कि हर जगह केलोग, खासकर बच्चे, सुरक्षित एवं स्वस्थ वातावरण में रहें। इन समस्याओं को हल करने और जलवायु परिवतरन से लड़ने केलिए देशों को मिलकर काम करना होगा। कचरे की देखभाल, पुनचर्क्रण और कूड़े-कचरे की देखभाल करना संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक लक्ष्यों को 2030 तक पराप्त करने और जलवायु संकट को हल करने में सहायता करेगा।

देशों को सही काम करना आसान बनाना चाहिए, उदाहरण के लिए, ढक्कन के साथ अधिक कचरे के डिब्बे लगाकर, जिससे अपशिष्ट उड़े नहीं, और पुर्ननवीनीकरण प्रणालियों में सुधार होना चाहिए।

पूरे विश्व में, प्रति वर्ष लगभग 45,000 करोड़ सिगरेट अंश जमीन पर गिराए जाते हैं! यदि तुम इन सभी सिगरेट अंशों को एक रेखा में लगाओ, तो रेखा 90,000,000 किलोमीटर लंबी होगी। यह चंद्रमा को 117 बार आने-जाने के बराबर है। और सिगरेट के अंश को इतने छोटे-छोटे टुकड़ों में तोड़ने में, कि इसे देखा नहीं जा सके, लगभग तीन साल लग जाते हैं। लेकिन छोटे टुकड़े भी नुकसान कर सकते हैं। नॉर्वे में एक फंसी व्हेल के पेट में 30 प्लास्टिक बैग थे। यदि यह चलन जारी रहा तो वर्ष 2050 तक 99 प्रतिशत समुद्रीपक्षीयों ने प्लास्टिक खा लिया होगा।

कई देशों ने प्लास्टिक बैगों के मूल्य पर प्रतिबंध लगा दिया है या उसे बढ़ा दिया है। अफ्रीका में रवांडा विश्व का पहला देश था जिसने प्लास्टिक की थैलियों पर प्रतिबंध लगाया।

निर्माता - जो कंपनियां प्लास्टिक पैकेजिंग बनाती हैं, उन्हें बेहतर पैकेजिंग विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए जो कचरे के रूप में विघटित नहीं हो।

नॉर्वे में एक फंसी व्हेल के पेट में से 30 प्लास्टिक की थैलियां निकलीं। यदि यह चलन जारी रहा तो वर्ष 2050 तक सभी समुद्री पक्षियों में से 99 प्रतिशत ने प्लास्टिक खा लिया होगा।

कचरे के बारे में सबसे अच्छी और बुरी बातें

सबसे अच्छी बात यह होती यदि कोई कचरा होता ही नहीं। शायद हम कम पैकेजिंग का उपयोग कर सकते?

- कोई भी कचरा जो उत्पादित किया जाता है उसका आदर्श रूप से पुर्नउपयोग या पुर्ननवीनीकरण किया जाना चाहिए। तब हमारा सामान और सामग्री फिर से उपयोगी हो सकती है और इससे पृथ्वी के संसाधनों को बचाने में सहायता मिलेगी।
- यदि यह संभव नहीं हो, तो कचरे को जला देना जाना चाहिए या कचरे के ढेर पर ले जाना चाहिए। लेकिन हमें इसे ठीक से करना चाहिए, इसलिए हम हवा, जमीन या पानी को दूषित नहीं करते हैं।
- सबसे बुरी बात यह है यदि अपशिष्ट जमीन पर या नदियों, झीलों और समुद्रों में कचरे के रूप में समाप्त हो जाता है।.

तुमको कितनी पृथ्वीयां चाहिए?

सब लोगों को भोजन और पानी, अपने सिरों पर एक छत और कभी-कभी, जीवित रहने के लिए गर्मी की आवश्यकता होती है। हम सभी पृथ्वी के संसाधनों को साझा करते हैं, लेकिन कुछ लोग दूसरों की तुलना में उनका बहुत अधिक उपयोग करते हैं। सारे विश्व में हम ऐसे भोजन करते हैं, यात्रा करते हैं और उपभोग करते हैं, जैसे कि मानो हमारे पास 1.7 पृथ्वीयां हों!

प्रत्येक मानव अपने रहन-सहन द्वारा ग्रह को प्रभावित करता है। उदाहरण के लिए, इसमें यह शामिल है कि हम क्या खाते हैं, क्या वस्तुएं खरीदते हैं और कैसे यात्रा करते हैं। किसी देश या व्यक्ति पर कितना प्रभाव पड़ता है, इसे अक्सर हमारा पारिस्थितिक पदचिह्न कहा जाता है। कुवैत और यूएसए जैसे देशों के साथ, स्वीडन में प्रति व्यक्ति का दुनिया में सबसे बड़ा पारिस्थितिक पदचिह्न है।

पदचिन्ह क्या है?

एक पारिस्थितिक पदचिह्न उस 'छाप' को संदर्भित करता है जो प्रकृति में प्रत्येक व्यक्ति पृथ्वी की सतह पर बनाता है। हम जितने अधिक संसाधनों का उपयोग करते हैं, उतना ही पर्यावरण को प्रभावित करते हैं।

तुम्हारे पदचिह्न का आकार उसी क्षेत्र से ही नहीं जुड़ा है जिसका उपयोग तुम अपने उत्पादानों के लिए करते हो, भोजन से लेकर यंत्रों तक, बल्कि उस क्षेत्र के साथ भी जिसकी जरुरत तुमको अपने अपशिष्ट को निपटाने में पड़ती है।

छोटी, रोजमर्रा की क्रियाएं बड़ा बदलाव ला सकती हैं। याद रखोः

- कचरे को जमीन पर नहीं फेंको।
- अनावश्यक वस्तुएं नहीं खरीदो।
- मरम्मत, पुर्नउपयोग और पुर्नचक्रण।
- अक्षय ऊर्जा का उपयोग करो।
- तुम और क्या कर सकते हो?

इस ग्रह पर जितनी भूमि और संसाधन मौजूद हैं, इसके आधार पर, तुम गणना कर सकते हो कि तुम जैसे रहते हो वैसे यदि हर कोई रहता हो तो हमें कितनी पृथ्वीयों की आवश्यकता होगी।

बड़े हस्तछाप

यदि तुम पर्यावरण के लिए अच्छे काम करते हो, जैसे कि अधिक पुर्नचक्रण करना और पानी का संरक्षण करना, तो तुम्हारी पारिस्थितिक हस्तछाप बढ़ जाती है। यह सहायता करता है कि तुम्हारे द्वारा खरीदी गई वस्तुएं और तुम्हारे द्वारा उपयोग की जाने वाली ऊर्जा का उत्पादन ऐसे होता हो कि प्रकृति को कम से कम प्रभावित करता हो। उदाहरण के लिए, यदि तुम जिस कार में यात्रा करते हो, वह जीवाश्म ईंधन के बजाय बिजली से चलती हो। अक्सर दुनिया के दूसरी तरफ उगाये जाने वाले पदार्थ जिन्हें तुम्हारे देश में ले जाया जाता है, की तुलना में स्थानीय रूप से उगाया गया भोजन एक छोटा पदचिह्न छोड़ता है।

अधिक अपशिष्ट बनाएँ

धनवान देशों में, पिछले 20 वर्षों में, प्रति व्यक्ति द्वारा कचरा उतपन्न करने की मात्रा कई गुना अधिक हो गई है, और इसे बदलना होगा। अपशिष्ट में कार्बन डाइऑक्साइड भी होती है, वो गैस जो तब बनती है जब हम तेल, पेट्रोल और कार्बन का उपयोग करते हैं, या कचरा और लकड़ी जलाते हैं। कार्बन डाइऑक्साइड एक ग्रीनहाउस गैस है जो जलवायु परिवर्तन को काफी प्रभावित करती है, जिस कारणं सूखा, बाढ़ और महासागरों में अम्लीकरण होता है। विभिन्न देशों को विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। स्वीडन में, आधे से अधिक पदचिह्न का कारण कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन है। बहुत कुछ हमारे भोजन एवं उपकरणों के उपभोग पर निर्भर करता है।

बड़े, धनी पदचिह्न

धनवान देशों के पास सबसे बड़ा पारिस्थितिक पदचिह्न है, जबकि गरीबों के पास उनकी अपेक्षा काफी छोटे पदचिह्न हैं। कभी-कभी एक ही देश में विभिन्न लोगों के बीच बड़े अंतर होते हैं। अमेज़ान वर्षावन का एक बच्चा लगभग कोई संसाधनों का उपयोग नहीं करता, जबकि एक धनवान रेंजर के पास अपना हवाई जहाज, कई कारें, वातानुकूलन और एक तैरीकी पूल हो सकता है। यह एक विशाल पदचिह्न बनाता है।

अब क्या होना है?

समृद्ध स्थानों में अपने पदचिह्नों को कम करने के लिए उत्पादन और खपत को कम करना चाहिए। साथ ही, दूसरी ओर, कई गरीब लोगों को बिजली, गर्मी, भोजन और स्वच्छ पानी के साथ गरिमापूर्ण जीवन जीने के लिए अपने पदचिह्नों को बढ़ाने की आवश्यकता है। चुनौती यह है कि पर्यावरण के लिए खतरनाक विकल्पों की तुलना में बेहतर जीवन के लिए एक पर्यावरण के अधिक अनुकूल रास्ता ढूंढना है जो अमीर देश लंबे समय से उपयोग कर रहे हैं।

यदि हर कोई दुनिया के औसत निवासी की तरह रहता है, तो हमें 1.7 पृथ्वीयों की आवश्यकता होगी। और अगर हर कोई रहता है जैसे वे निम्न देश में रहते हैं तो हमें आवश्यकता होगी...

...उत्तरी अमेरिका = 5 पृथ्वीयां

...अफ्रीका = 0.8 पृथ्वीयां

...दक्षिण अमेरिका = 1.8 पृथ्वीयां

...यूरोप = 2.8 पृथ्वीयां

...एशिया = 0.7 पृथ्वीयां

NAINA HELEN W. JÅMA/AFTONBLADET/TT

MINAS PANAGIOTAKIS/TT

विश्व के बच्चे ग्रेटा के साथ जलवायु के लिए हड़ताल करते हैं

16 वर्ष की आयु में, ग्रेटा, इस बात का सबूत है कि बच्चे एक बड़ा अंतर ला सकते हैं। सितंबर 2018 में, वह स्वीडन के संसदीय भवन के सामने हर शुक्रवार को, जलवायु के लिए अपने स्कूल से हड़ताल पर, अकेली खड़ी हो जाती थी। उसने मांग की कि वयस्क लोग विज्ञान की सुनें और जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए गंभीर कदम उठाएं, जो लोगों, जानवरों और प्रकृति के लिए खतरा है।

ग्रेटा का विरोध सोशल मीडिया के माध्यम से पूरी दुनिया में तेजी से फैल गया। अन्य देशों के बच्चे ग्रेटा से प्रेरित थे और उन्होंने हर शुक्रवार को हड़ताल करना शुरू कर दिया। उनकी लड़ाई ने 'फ्राइडेस फॉर फ्यूचर' नामक एक वैश्विक आंदोलन को प्रेरित किया।

सितंबर 2019 में, एक शुक्रवार को, 160 से अधिक देशों में चालीस लाख लोग ग्रेटा के साथ जलवायु के लिए हड़ताल पर चले गए। क्या तुम उनमें से एक थे?

"हमारे लिए तुम असफल हो रहे हो। लेकिन युवा लोग तुम्हारे विश्वासघात को समझने लगे हैं। आने वाली सभी पीढ़ियों की नज़रें तुम पर है।"
ग्रेटा, 16, के 2019 में यूएन को, अपने भाषण में

पृथ्वी के संसाधन कितने समय तक चलेंगे?

जितना पानी, भोजन, ऊर्जा प्रकृति एक वर्ष में उत्पन्न कर सकती है, मानवता उससे अधिक की खपत करती है। कुछ देश दूसरों की अपेक्षा कहीं अधिक संसाधनों का उपयोग करते हैं। हा साल, जिस दिन सारे संसाधन समाप्त हो जाते हैं, उसे उस साल का 'ओवरशूट दिवस' कहा जाता है, और 2019 में यह 29 जुलाई को पड़ा था!

"हमारे लिए तुम असफल हो रहे हो। लेकिन युवा लोग तुम्हारे विश्वासघात को समझने लगे हैं। आने वाली सभी पीढ़ियों की नज़रें तुम पर है।"
ग्रेटा, 16, के 2019 में यूएन को, अपने भाषण मे

जैसा कि तुम चित्र में देख सकते हो, कुछ देशों ने वर्ष के अंत से काफी पहले अपने संसाधनों का उपयोग कर लिया, जबकि कई देशों में ऐसा बिलकुल भी नहीं हुआ। उनका पारिस्थितिक पदचिह्न इतना छोटा है कि उनके संसाधन पर्याप्त हैं।

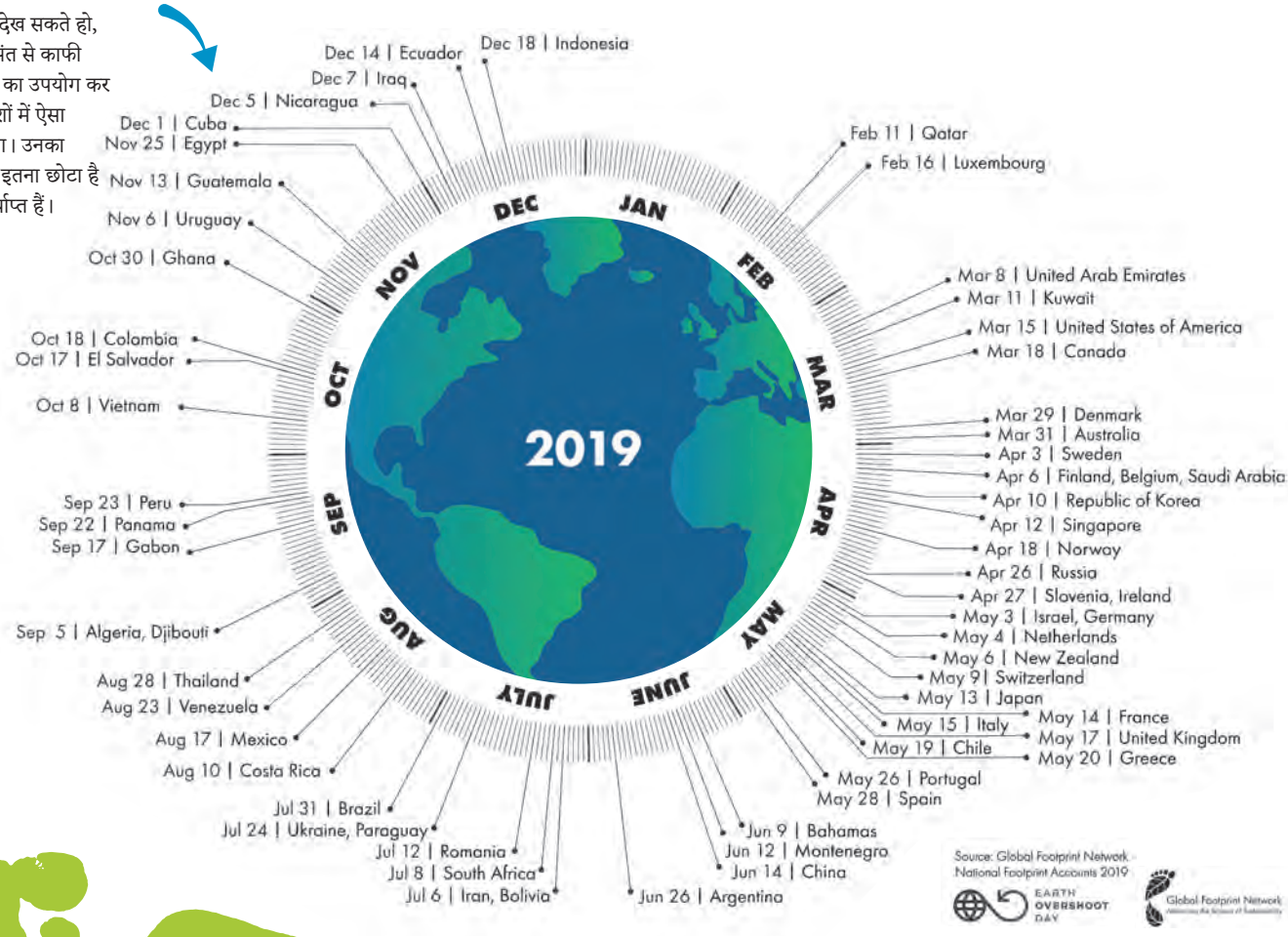

पृथ्वी गर्म हो रही है ...

सूर्य की किरणें धरती से टकराती हैं और गर्मी में बदल जाती हैं जो पृथ्वी की सतह से निकलती है। ग्रीनहाउस गैसें इस गर्मी विकिरण को अंतरिक्ष में गायब होने से रोकती हैं। जब वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों का स्तर बढ़ता है, तो अधिक गर्मी पीछे छूट जाती है और पृथ्वी का तापमान बढ़ जाता है।

कुछ महत्वपूर्ण ग्रीनहाउस गैसें हैं कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) एवं मीथेन (CH_4)। अतिरिक्त कार्बन डाइऑक्साइड मुख्य रूप से कारों, कोयले की आग, तेल की आग, कारखानों तथा विमानों द्वारा वातावरण में छोड़ी जाती है। उत्तरी गोलार्ध (hemisphere) में विकसित देश सबसे अधिक उत्सर्जन करते हैं। चीन भी भारी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जित करता है। जैसे-जैसे पृथ्वी गर्म होती जाती है, वैसे-वैसे वह सभी देशों को प्रभावित करत जाती है।

जलवायु में परिवर्तन

जैसे-जैसे पृथ्वी गर्म होगी, हमारी जलवायु में परिवर्तन होगा। जलवायु मौसम की एक लंबी अवधि को कहते हैं। उदाहरण के लिए, यह आमतौर पर कितनी गर्म होती है, कितनी बार हमें वर्षा मिलती है और शायद सूखा मौसम सामान्य रूप से कितना लंबा और कितना गर्म होता है। एक अधिक गर्म पृथ्वी का अर्थ है कि सूखा मौसम अधिक लंबा हो सकता है, प्रति वर्ष, वर्षा नहीं हो, या इसके विपरीत हो सकता है और कुछ स्थानों पर अधिक मूसलाधार वर्षा और बाढ़, जहां तुम रहते हो। शायद अधिक तूफान भी आएं, और वे शक्तिशाली हो सकते हैं।

समुद्रों के बढ़ते स्तर

जैसे-जैसे पृथ्वी गर्म होती है, समुद्र का स्तर बढ़ता है। अधिक्तर क्योंकि गर्म पानी फैलता है और अधिक जगह लेता है, लेकिन यह भी क्योंकि ग्लेशियर (भूमि पर बर्फ) पिघल जाते हैं और समुद्र में बह जाते हैं। ग्रीनलैंड एवं अंटार्कटिका में सबसे अधिक भूमि बर्फ है। समुद्री स्तरों के बढ़ने पर तटीय क्षेत्रों और द्वीपों में बड़े बदलाव होंगे। यदि समुद्री जल खेतों और घरों को ढक देता है तो लोग इन क्षेत्रों में नहीं रह पाएंगे।

यह कहना कठिन है कि पृथ्वी पर अलग-अलग स्थानों में कैसे जलवायु परिवर्तन होगा, लेकिन हम निश्चित रूप से जानते हैं कि पृथ्वी के गर्म होते ही जलवायु परिवर्तन होगा। यदि पृथ्वी बहुत गर्म हो जाती है, तो कुछ देशों में रहना असंभव हो सकता है, और सबसे खराब स्थिति में परिवर्तन इतने अधिक हो सकते हैं कि लगभग पूरा ग्रह निर्जन हो जाता है! अगर कुछ नहीं किया जाता, तो पृथ्वी गर्म होती रहेगी!

जीवाश्म ईंधन

जीवाश्म ईंधन पुराने संयंत्र सामग्री के अवशेष हैं जो सैकड़ों लाखों वर्षों से धरती में एकत्रित हो गए हैं। जब लोग कोयला, तेल या प्राकृतिक गैस जलाते हैं, तो हम कुछ ही वर्षों में उतनी कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ देते हैं जो कई लाखों वर्षों में पौधों द्वारा अवशोषित की गई है! यही कारण है कि जीवाश्म ईंधन जलने से वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बहुत तेजी से बढ़ रही है।

जंगलों का गायब होना

जब बड़ी जंगलों की आगें होती हैं, तो वह वातावरण में बहुत अधिक कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ती है। यह कार्बन डाइऑक्साइड बाद में फिर से अवशोषित की जा सकती है यदि जंगल फिर से बढ़ा हो जाता है। यह एक प्राकृतिक चक्र है जो पृथ्वी के इतिहास में चलता रहा है। लेकिन यदि जंगलों को काट दिया जाए, या इससे बदतर, जला दिया जाए, बिना किसी नए जंगल को उगाए, तो वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ जाएगी, क्योंकि जलने से निकली कार्बन डाइऑक्साइड को नए पेड़ों द्वारा अवशोषित करके संग्रहीत नहीं किया जा सकता!

वातावरण में ग्रीनहाउस गैसें गर्मी विकरण (लाल तीर) को अंतरिक्ष में गायब होने से रोकती हैं।

ILLUSTRATION: JAN-ÅKE WINQVIST TEXT: JAN-ÅKE WINQVIST & CARMILLA FLOYD

यदि हम कार्यवाही नहीं करेंगे

अत्यधिक खराब मौसम एवं उच्च तापमान

सूखा, बाढ़ तथा प्राकृतिक आपदाएँ पृथ्वी पर सभी को प्रभावित करती हैं, लेकिन गरीब देशों में बच्चों के अधिकार सबसे अधिक प्रभावित होते हैं।

रोग

मलेरिया एवं डेंगू बुखार, तथा जलजनित रोग जैसे हैजा एवं दस्त बढ़ जाते हैं और दुनिया के अधिक क्षेत्रों में तेजी से फैल जाते हैं। अधिक बच्चे बीमार होंगे और मरेंगे।

भूख

वर्ष 2050 तक भूखे और कुपोषित बच्चों की संख्या में 2-2.5 करोड़ की बढ़त होने का अनुमान है।

युद्ध एवं संघर्ष

असमानता और गरीबी से हिंसा और युद्ध का खतरा बढ़ जाता है। यह बच्चों, विशेषकर लड़कियों को सबसे अधिक प्रभावित करता है।

आर्थिक संकट

गरीब बच्चे अधिक बीमार होते जाएंगे और भूखे रह जाएंगे, और कभी-कभी बेघर। बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने के बजाय काम करने के लिए मजबूर भी होना पड़ेगा। लड़कियों का स्कूल जाना पहले छूटेगा।

शरणार्थी संकट

अनेकों बच्चों को अपना घर छोड़ना पड़ता है जब गाँव और कस्बे निर्जन हो जाते हैं। युद्ध और संघर्ष भी बच्चों के परिवारों को उनके घरों से भागने के लिए मजबूर कर देता है। बच्चों की स्कूली शिक्षा और स्वास्थ्य प्रभावित होता है, विशेषतः उनका मानसिक स्वास्थ्य।

यदि हम इस पर अभी कार्यवाही करें!

भूख और गरीबी कम

फसल बेहतर होगी और सूखे या बाढ़ से नष्ट नहीं होगी। बच्चों के पास खाने के लिए पर्याप्त होगा और वे स्वस्थ होंगे।

साफ पानी एवं स्वच्छता

बच्चे स्वस्थ रहेंगे, स्कूल जा सकेंगे, खेल सकेंगे और अपना विकास कर सकेंगे। स्वच्छ पानी तक पहुंच विशेष रूप से लड़कियों को पढ़ाई करने और खेलने के लिए अधिक समय देगा, क्योंकि उन्हें पानी लाने के लिए लंबी दूरी तक नहीं चलना पड़ेगा।

बचाव एवं सुरक्षा

अधिक से अधिक समानता और लैंगिक समानता लोगों और देशों के जोखिम को कम करती है जो भूमि और प्राकृतिक संसाधनों केक्षेत्रों में हिंसक संघर्ष में शामिल होते हैं।

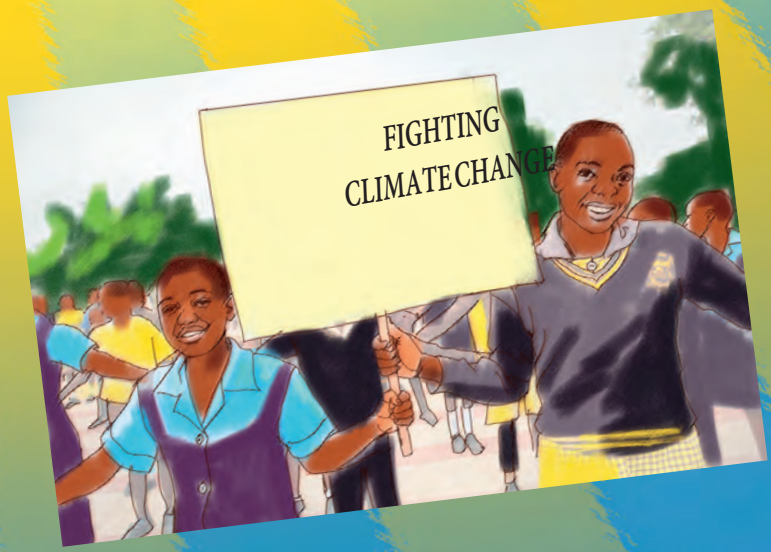

जलवायु पर्विर्तन से लड़ना

एक स्थायी ज़िन्दगी जियो

सबको प्रयास करना चाहिए कि वे एक स्थायी ज़िन्दगी जीये। लेकिन यह धनी देशों द्वारा लंबी समय तक उत्सर्जन और बर्बादी है जिस कारण वर्तमान जलवायु संकट है। धनी देशों को अब उन गरीब देशों का समर्थन करना चाहिए जहां बच्चे जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से पीड़ित हैं।

जलवायु-स्मार्ट

धनवान लोग लंबे समय से आरामदायक जीवन जीने के लिए संसाधनों का उपयोग कर रहे हैं, इस पर्यावरणीय रूप से हानिकारक तरीके के विनाशकारी परिणाम हुए हैं। हमें अब अधिक जलवायु-स्मार्ट विकल्पों की आवश्यकता है, ताकि पृथ्वी पर हर कोई एक सभ्य जीवन जी सके। धनी देशों के पास विकास की अगुवाई और वित्त की बड़ी जिम्मेदारी है।

बच्चे कार्रवाई की मांग करते है

आज, दुनिया भर में बच्चे अपनी पीढ़ी और आने वाली पीढ़ीयों के लिए एक ऐसी दुनिया की विरासत के लिए लड़ रहे हैं जहाँ लोग और पर्यावरण स्वस्थ हों। बच्चे मांग कर रहे हैं कि वयस्क और निर्णय लेने वाले लोग विज्ञान की सुनें और जलवायु परिवर्तन को रोकने एवं स्थायी समाज के निर्माण हेतु सब कुछ करें।

निशा और सिदरा कूड़ा रहित पीड़ी

हर दोपहर जब निशा स्कूल से घर लौटती है तब वह ईंटें बनाती है। उसका परिवार ऋण दास है और निशा को उनके कर्ज का भुगतान करने में मदद करनी पड़ेगी। जब सिदरा स्कूल में नहीं होती तब वह कूड़ा इकट्ठा करती है और इसे विभिन्न खरीदारों को बेच देती है। पाकिस्तान में दोनों लड़कियों ने वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ कार्यक्रम के माध्यम से बाल अधिकारों को जाना है। अब वे कूड़ा रहित पीढ़ी का भाग बनना चाहती हैं तथा 16 मई को आयोजित किये जा रहे कूड़ा रहित दिवस पर कूड़ा इकट्ठा करना चाहती हैं और अन्य लोगों को सिखाना चाहती हैं कि उन्हें कूड़ा फेंकना क्यों बंद करना चाहिए!

''मैं हर दिन दो सौ ईंटे बनाती हूं।''

''जीवन को बेहतर बनाने का एकमात्र तरीका है शिक्षा।''

''हम अपना प्रथम 'विश्व मतदान दिवस' पहले ही मना चुके हैं।''

निशा, 12 कक्षा 5, ब्रिक स्कूल

''मेरी बहन और माँ हर सुबह चार बजे उठती हैं जिसके बाद वे देर संध्या तक ईंटे बनाती हैं। मेरे मां ने मेरे पिता के इलाज के लिए ईंट भट्ठा मालिक से एक बड़ी राशि उधार ले ली। तब से हम भट्ठा स्वामी के दास की तरह हैं।''

''स्कूल के बाद मैं दोपहर का भोजन पकाती हूं। फिर मैं उसे अपनी मां और बहन को लाकर देती हूं। मैं उनके साथ रहती हूं और हम शाम तक काम करते हैं। मैं हर दिन दो सौ ईंटें बनाती हूं।''

''मालिक और मुंशी (पर्यवेक्षक) भट्ठे पर काम कर रहे बच्चों से अच्छा व्यवहार नहीं करते। वे हम पर चिल्लाते हैं और अक्सर हम को निर्दयता से पीटते हैं। मैं उदास हो जाती हूँ और अपने काम को तेज़ी से करने लगती हूं। मुझे लगता है कि यदि मैं अधिक ईंट बनाऊंगी तो हम अपने कर्ज का भुगतान कर सकेंगे और तब इस काम से मुक्त हों जाएंगे।''

''बाकी शाम को मैं अपने स्कूल से मिला 'होमवर्क' करती हूं। हम केवल क्रिसमस पर कपड़े या जूते खरीद सकते हैं, लेकिन ईश्वर को धन्यवाद देती हूं कि हमें स्कूल जाने का अवसर मिला। मैं अपनी शिक्षा में कड़ी मेहनत करती हूं। मैं एक डॉक्टर बनना चाहती हूं और अस्पताल खोलना चाहती हूं। तब मैं अपनी मां और बहन के लिए कपड़े और जूते खरीदूंगी और उन्हें ईंट भट्ठे पर कोई काम नहीं करना पड़ेगा। मैं कभी स्कूल जाना नहीं छोड़ूँगी क्योंकि मुझे पता है कि शिक्षा ही जीवन को बेहतर बनाने का एक–मात्र तरीका है।''

''मैंने जान लिया है कि मेरे भी अधिकार हैं, यह कि सभी बच्चे महत्वपूर्ण होते हैं और सब लागों को हमारे अधिकारों का सम्मान करना चाहिए। यहाँ सब लोग सोचते हैं कि लड़के हम लड़कियों से बेहतर हैं। इस सोच को बदलना होगा और लड़कियों का सम्मान किया जाना चाहिए!''

''मुझे यह विचार अच्छा लगता है कि हमको 'कूड़ा रहित पीड़ी' समझा जाए। कूड़ा सबके लिए बुरा हो सकता है, दोनों लोगों एवं जानवरों के लिए। हमें हर जगह कूड़ा फेंकना रोकना होगा और वयस्कों को भी समझाना होगा कि वे ऐसा करना बंद करें। हमको अन्य देशों के बच्चों के साथ कूड़ा रहित दिवस में भाग लेना बहुत अच्छा लगेगा।''

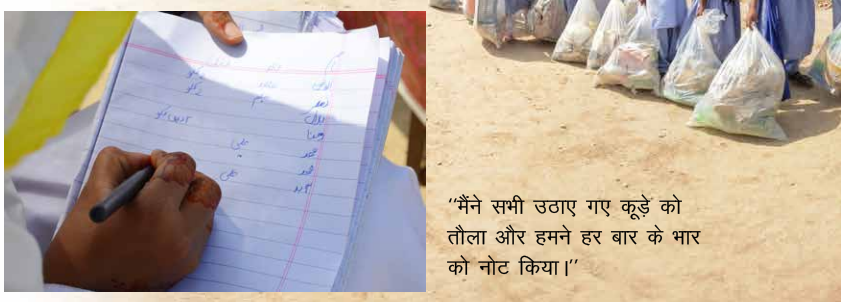

''मैंने सभी उठाए गए कूड़े को तौला और हमने हर बार के भार को नोट किया।''

का भाग हैं

सिदरा, 12 कक्षा 3, ब्रिक स्कूल

''हम इन तंबूओं में पैदा हुए हैं और हमारी जीवन यात्रा इन तंबूओं में ही समाप्त होगी। मेरे परिवार के सभी सदस्य सप्ताह में सात दिन कचरा बटोरते हैं। हम इसे विक्रेताओं को बेचते हैं और उस पैसे से भोजन खरीदते हैं।''

''मैं सदैव से आश्चर्य करती हूँ कि लोग इतना सारा भोजन क्यों बर्बाद करते हैं? लेकिन इस तरह हम हमेशा भोजन मिलता रहता है, जो हम कभी बाज़ार से नहीं खरीद पाते। कभी–कभी हम खिलौने पा जाते हैं। अधिकांश खिलौने क्षतिग्रस्त होते हैं, लेकिन हमारे खेलने के लिए एकदम सही। हम कभी नए वस्त्र नहीं खरीदते, हम केवल वही वस्त्र पहनते हैं जो हमें कचरा में मिलते हैं।''

मेरा चमत्कार!

''एक दिन जब मैं उठी तो मेरे पिता ने मुझसे कहा: ''तुम आज कूड़े उठाने नहीं जा रही हो, पर स्कूल जा रही हो।'' यह एक चमत्कार था! मैंने अपने सपनों में भी स्कूल जाने के बारे में नहीं सोचा था। मैं बहुत खुश थी। एसा पहले मेरे परिवार में कभी नहीं हुआ था।''

''एक बात मुझे बुरी लगी। अन्य छात्रों ने मेरा मज़ाक बनाया क्योंकि मैं वही थी जिसे लोग 'खान बादोश' लड़की (बंजारन) कहते हैं। मुझे नहीं पता था कि लोग हमसे नफरत क्यों करते हैं। हम उन्हीं के जैसे हैं! लेकिन मेरे शिक्षा के लिए जुनून ने मुझे इसे सहन करने में मदद की और बाद में मैंने स्कूल में मित्र बनाये!''

''जब मैंने स्कूल जाना शुरू कर दिया तो अन्य लागों ने भी अपने बच्चों को स्कूल भेजना शुरू कर दिया। शिक्षा के माध्यम से मैं समाज में सम्मान पा सकती हूं। मैं शिक्षा पाने और एक सामाजिक कार्यकर्ता बनने के लिए कड़ी मेहनत करती हूं, जिससे मैं अपने लोगों के अधिकारों के लिए लड़ सकूं।''

''मुझे पता चला कि सभी बच्चों के अधिकार हैं। यह एक अद्भुत अनुभव था। लेकिन यहां वयस्कों को शिक्षित करने की आवश्यकता है जिससे वे लड़कियों के अधिकारों का सम्मान करना शुरू करें।''

''स्कूल के बाद मैं सदैव कूड़ा एवं कचरा उठाती हूं। जब हम कचरा इकट्ठा करती हूँ तो अन्य लोग हमारे साथ ऐसा व्यवहार करते हैं जैसे मानो हम इंसान नहीं हैं। और विक्रेता हमारे कूड़े का भार करते समय अक्सर हमको धोखा दे देते हैं।''

''हम हमेशा कूड़े से घिरे रहे हैं। कूड़े के बिना और भी अच्छा रहा होता। लेकिन फिर हम पैसे कैसे कमाते? मैं अब भी कूड़ा रति पीढ़ी से जुड़े हुए खुश हूं। हमें कूड़े के बारे में लोगों को सिखाने, पर्यावरण के प्रति जागरूक होने और उनकी आदतों को बदलने की जरूरत है। यह सुंदर होगा जब हम कूड़ा रहित दिवस पर कूड़ा उठाएंगे।''

''स्कूल जाना एक चमत्कार था।''

कूड़ा रहित दिवस स्कूल के लिए भुगतान करता है

निशा और उसके मित्र 'कूड़ा रहित दिवस' के दौरान उठाये गये कूड़े को विक्रेताओं को बेचेंगे। जो पैसा उनको मिलेगा वह उनके स्कूल के खर्चों में उपयोग किया जाएगा। सिदरा और उसके मित्र भी उस दिन उठाए गए कूड़े से जो पैसा पाएंगे वह उनकी स्कूली शिक्षा में इस्तेमाल हो जाएगा।

PHOTO: ALI HAIDER

'कूड़ा रहित पीढ़ी' कूड़ा बटोरते

निशा और उसके दोस्त पहले से ही 'कूड़ा रहित पीढ़ी' का भाग बन चुके हैं, और यहां निशा उस कूड़े का भार लेती है जो उन्होंने वहां से बटोरा है जहां वो रहते हैं और ईंट के भट्ठा से।

15 मई 2020 को 'नो लिटर दिवस' पर, हर जगह बच्चे दिखायेंगे कि वे 'कचरा रहित पीढ़ी' के हैं। तुमको यह सब करना है:

- कचरा उठाओ और देखो कि वह जगह अच्छी लगे।
- सबको स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण में रहने के बच्चों के अधिकार के बारे में और जलवायु परिवर्तन के बारे में जानकारी फैलाओ।
- कचरे को तौलो और कुल वजन की रिपोर्ट डब्लूसीपी को दो!
- सुनिश्चित करो कि सभी एकत्र किया गए कचरे का पुर्ननवीनीकरण किया जाए या वह वहां जाए जहां उसे सुरक्षित संग्रहीत कर दिया जाए।

भारत

"यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम मां प्रकृति की रक्षा करें।"
कुंसंग, 14, सरस्वती विद्या दान स्कूल, दार्जिलिंग, भारत

नेपाल

टेरेसा अकादमी, काठमांडू के बच्चे

विश्व भर में

स्कॉटलैंड

स्कॉटलैंड के बेंचोरी-डेवेनिक स्कूल में बच्चे हैरान थे कि उन्हें एक छोटे से क्षेत्र में इतना सारा कूड़ा मिला।

फिलीपीन्स

"हमारी पृथ्वी पर स्वच्छ पानी होना होगा। पानी के बिना, कोई जीवन नहीं है!"
शीना, नेग्रोस स्कूल, डुमागुएटे, फिलीपीन्स

दक्षिण अफ्रीका

प्रीमियर मीसिएस्कूल औरेंज स्कूल, ब्लूएमफोंटीन

युगांडा

ब्राज़ील

सेनेगल

नो लिटर दिवस

डीआर काँगो

"आज मुझे एहसास हुआ कि हम बच्चों को एक स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण में रहने का अधिकार है। हमने सफाई की है और अपने माता-पिता से कहा है कि उन्हें इस क्षेत्र को वैसा ही अच्छा बनाए रखने में सहायता करनी है जैसा कि हमने इसे आज बनाया है।"
मुम्बेरे, 13, सेंट-साइमन स्कूल, गोमा, डीआर काँगो

बर्मा/म्यांमार

प्लौ खी स्कूल

बुर्कीना फासो

प्राइमेर प्रिवी सिल्मीयीरी स्कूल

वेस्टर्न हॉल स्कूल में वज़न लेना

नाइजीरिया

सियरा लिओन

पाकिस्तान

गिनी

गिनी में, छात्रों ने 'कचरा रहित दिवस' के दौरान जलवायु संकट के बारे में जानकारी फैलाई।

घाना

ध्यान दें!
सावधान रहो कि कचरा तुमको बीमार न करे! दस्ताने और मुखौटा पहनो और एक वयस्क से सहायता लो यदि तुमको कोई तेज या अन्य तरह से खतरनाक वस्तु मिले।

स्वीडन

टोगो

नो लिटर दिवस पर, हर जगह बच्चे दिखाते हैं कि वे नो लिटर जनरेशन का भाग हैं। पाकिस्तान में, जहां मीडिया में बच्चों की आवाजें शायद ही कभी सुनाई जाती हैं, बच्चों के प्रेस कॉन्फ्रेंस ने कई पत्रकारों को आकर्षित किया, और अधिक स्वच्छ पर्यावरण के लिए बच्चों की पहल को कई टीवी चौनलों के मुख्य समाचारों में भी दिखाया गया।

सबा ने कहा, ''हम अधिक कूड़ेदानों की मांग करते हैं, इसलिए हम इसे जमीन पर छोड़ने के बजाय कूड़े को फेंक सकते हैं।'' उसके दोस्त शमून, जो एक ईंट भट्ठी पर ऋण दास के रूप में बड़े हुए, ने समझाया कि कूड़ा दोनों लोगों और पर्यावरण के लिए खतरनाक है:

''जब ईंट भट्ठी श्रमिक ईंटों के लिए मिट्टी को मिलाते हैं, तो वे अक्सर कांच के टुकड़ों पर बुरी तरह कट जाते हैं जो लोगों ने जमीन पर फेंक दिये होते हैं।''

नेपाल

फिलीपींस

विश्व भर में

पाकिस्तान

साबा और शमून (बीच में) पाकिस्तान में बाल प्रेस सम्मेलन का नेतृत्व करते हैं।

बेनिन

कैमरून

''एक गंदा वातावरण अधिक कूड़ा पैदा करता है क्योंकि जब लोग गंदगी एवं अपशिष्ट से घिरे होते हैं तो वे उसकी देखभाल करना बंद कर देते हैं और फिर स्थिति और भी बदतर हो जाती है।''
तफुआ, 16, एच.आई.एम.एस. बी.यू.ई.ए.

बुरुन्डी

''हमें अपने दोस्तों और माता–पिता को सिखाना चाहिए कि कूड़े से निपटने की जरूरत है।''
जोएल, 14, ई.पी. योबा स्कूल

''जलवायु परिवर्तन मेरे जीवन को प्रभावित कर रहा है, जैसे जब वर्षा होती है तब मेरे घर में बाढ़ आ जाती है।''
सेनी, 10, प्रिवी नंगलोम इवांजेलिक स्कूल

''मैं अपने माता–पिता से कहता हूं कि उन्हें कूड़े को फेंकना या जंगल और झाड़ियों को जलाना नहीं चाहिए क्योंकि यह पर्यावरण के लिए बुरा है।''
एस्सेटा, 10, सी.एम.आई. प्रिवी डब्लू.ए.
मालगाबा डे पाल्ग्रे

बर्किना फासो

नो लिटर दिवस

"भविष्य में पीढ़ियों को बचाने के लिए, मैं इस ज्ञान को अपने बच्चों और पोते–बच्चों को देने करने जा रहा हूं।"
पिटुवा, 12,
उजियो वा हेरी स्कूल

डीआर कांगो

"अगर हम कूड़े की स्थिति की बेहतर देखभाल करते हैं, तो इससे मलेरिया और दस्त जैसे बीमारियों की समस्या कम हो जाएगी।"
मेवेनेके, 13, एस्पेस एमी यूनिवर्सल–स्कूल

बर्मा / म्यांमार

"हमने अपने गांव में प्लास्टिक के थैले और बोतलों को इकट्ठा किया और यह पहली बार था जब हमने कूड़ा बटोरने का आयोजन किया था। मेरे छोटे गांव में ज्यादा प्लास्टिक नहीं है, हम अधिकतर पत्तियों और बांस से बने बैगों एवं टोकरीयों का उपयोग करते हैं। "
नो शा, 12, मी वाह डर्न स्कूल

कोटे डी'आईवोयर

सियरा लिओने

सेनेगल

नाइजीरिया

घाना

कांगो ब्रैजाविल्ले

स्वीडन

ग्विनिया बिस्साऊ

मोज़ाम्बिक

"नो लिटर दिवस बस सफाई रखने के बारे में ही नहीं है, यह बच्चों, वयस्कों, शिक्षकों और अन्य नागरिकों को कूड़ेपन की समस्या के समाधान पर जागरूक करने के लिए है!"
एस्थर, 15 ई.ए.एम. स्कूल

"मैं दो 'बातों' का प्रचार कर रहा हूं – 50 प्रतिशत 'बाल अधिकारों को फैलाएं' और 50 प्रतिशत 'अपनी जगह साफ रखें'। और यह मैं कर रहा हूं, 100 प्रतिशत! "
एस्पोइर, 12, ई.ए.एम. स्कूल

टागो

हम नो लिटर

किम्बरले और हसन नो लिटर दिवस के लिए तैयार हैं।

''आज नो लिटर दिवस पर, हमारे बच्चों ने हमारी आवाज उठाई इसलिए शहर में हर किसी ने हमें सुना। क्योंकि अगर हम अपने पर्यावरण की देखभाल नहीं करते हैं, तो ग्रह पर सभी बच्चों के लिए जीवन कठिन और छोटा हो जाएगा। और यह बात हम, नो लिटर जनरेशन, नहीं स्वीकार करेंगे!'' डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत हसन, 12, कहता है जो जिम्बाब्वे के मुरेवा शहर में रहता है। वह और उसके राजदूत मित्र किम्बर्ले पर्यावरणीय मुद्दों को बहुत गंभीरता से लेते हैं।

डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूतों को बाल अधिकारों में बहुत प्रशिक्षण दिया गया है। मैंने सीखा है कि एक स्वच्छ वातावरण बाल अधिकारों में से एक में गिना जाता है। मैं इससे पहले यह नहीं जानता था। एक डब्लूसीपी राजदूत के रूप में, अब हम स्वच्छ पर्यावरण और बच्चों के स्वास्थ्य के अधिकार के लिए लड़ रहा हूं। यह वास्तव में महत्वपूर्ण है! हमारे नो लिटर जनरेशन के सदस्य पिछली पीढ़ियों के कूड़ेपन और हमारे पर्यावरण की देखभाल में असफल होने को स्वीकार नहीं करते हैं। यह बदलाव का समय है! हम आशा करते हैं कि जो हमने नो लिटर दिवस पर शहर में सबके सामने प्रदर्शन किया और मांग की कि वयस्कों का व्यवहार बदलें, एक अच्छी शुरुआत थी।''

पर्यावरण क्लब

''अन्य राजदूत और मैं सप्ताह में दो बार मिलते हैं, क्योंकि हम स्कूल के पर्यावरण क्लब में भी हैं। क्लब में हम सीखते हैं कि पर्यावरण के लिए रीसाइक्लिंग कितना महत्वपूर्ण है। लिटर पर्यावरण को दूषित करता है और लोगों को बीमार बनाता है। हम वर्षा के मौसम के लिए वर्षा टोपी बनाने के लिए प्लास्टिक बैग को रीसायकल करने के तरीके सीखते हैं, और हमने पुरानी बियर और रस की बोतलों से पचास कचरे के डिब्बे बनाये हैं, जो लोग असहज कबाड़ देखते हैं। हम ऐसी चीजें बनाते हैं जो उपयोगी, सुंदर और सस्ती होती हैं। आप वास्तव में एक महंगा नया कूड़ेदान खरीदने के बजाय पुरानी बोतलों या बोतलों के ऊपर के भाग से एक छोटा कूड़ेदान बना सकते हैं। और यह होशियारी है!

''हम जो कुछ भी सीखते हैं हम स्कूल सभा के अन्य लोगों के साथ साझा करते हैं।''

लड़कियों के अधिकार

''जब मैंने बाल अधिकार राजदूत का प्रशिक्षण लिया था, तब मैंने लड़कियों के अधिकारों के बारे में बहुत कुछ सीखा। यह कि उसे बाल विवाह में मजबूर करना, उससे घर का सारा भारी काम करवाना, स्कूल जाने से रोकने या उसके सुझावों को नहीं सुनना लड़की के अधिकारों का उल्लंघन है। यहां बहुत से माता–पिता हैं जो अपने बेटों को अधिक महत्व देते हैं और जो वे कहते हैं उसे सुनते हैं। बेटियों की गिनती नहीं है। यहां तक कि जब हम लड़के छोटे होते हैं, तब भी हमें अपनी बड़ी बहनों को यह बताने की अनुमति होती है कि क्या करना है। अगर लड़कियों को लगातार कम मूल्य के रूप में देखा जाएगा और बुरी तरह से इलाज किया जाएगा, तो मुझे लगता है कि अंत में वे स्वयं भी इसे सही मानना शुरू कर देंगी। यह बहुत गलत है! चूंकि लड़कियों के अधिकारों का हमेशा उल्लंघन किया जाता है, और लड़कों के अधिकार हमेशा सुरक्षित रहते हैं, इसलिए मैंने बाल अधिकार राजदूत बनने का फैसला किया जो कि किम्बर्ले और अन्य राजदूतों के साथ लड़कियों के अधिकारों और लिंग समानता के लिए झगड़ा करता है।''

लिटर–मुक्त स्कूल

''मेरा मानना है कि नो लिटर जनरेशन ने स्कूल में हर किसी को पर्यावरण के बारे में अधिक जानकारी दी है, और यही कारण है कि हम इसकी देखभाल करते हैं। हमारे स्कूल में एकमात्र जगह कूड़ा गिरा दिया गया है, जो हमारे कचरे के डिब्बे में है, जिसे हमने पर्यावरण क्लब में बनाया है!''

जनरेशन हैं!

मासिक धर्म पर जानकारी
"मैं लैंगिक समानता और लड़कियों के अधिकारों के महत्व के बारे में अक्सर अपने दोस्तों और दूसरों से स्कूल में बात करता हूं। और मैंने मासिक धर्म के बारे में सामग्री तैयार की है, जिसे हम पर्यावरण क्लब में शेल्फ पर रखते हैं। सैनिटरी तौलिए एवं पैंटी लाइनर तथा अन्य चीजें हैं। लड़कियां खुद की ठीक से देखभाल करना सीख सकती हैं। लेकिन हम लड़कों को भी अवधि के बारे में भी सिखाते हैं, इसलिए वे समझते हैं, चिढ़ाते हैं और लड़कियों का समर्थन कर सकते हैं और सम्मान के साथ उनका इलाज कर सकते हैं। यह सब आखिरकार लड़कियों के अधिकारों के बारे में है! "भविष्य में, मैं स्कूलों और कार्यस्थलों में बाल अधिकारों और पर्यावरण के बारे में वार्ता करना चाहता हूं।"
हसन, 12, डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत, हूरुगवे प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय

किम्बर्ले और हसन दोनों शामिल थे और नो लिटर दिवस का आयोजन किया, और कूड़े एकत्र किए।

हसन लिटर दिवस में भाग लेने वाले हर किसी को प्लास्टिक दस्ताने, बैग और सुरक्षात्मक मास्क देता है।

हसन की अवधि शेल्फ
"हम टमाटर सॉस का उपयोग यह दिखाने के लिए करते हैं कि सैनिटरी तौलिए कैसे काम करते हैं!" हसन बताता है।

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTO: JOHAN BJERKE

हम एक हैं!

नो लिटर दिवस के दौरान एकत्रित सभी कूड़े का वजन लिया जाता है।

हसन का दोस्त किम्बर्ले सोचता है कि लड़कियों और लड़कों के लिए लड़कियों के अधिकारों और पर्यावरण के लिए लड़ाई में एकजुट होना महत्वपूर्ण है यदि उन्हें अच्छे नतीजे मिलने हैं।

''मैं एक डब्लूसीपी बाल अधिकार राज. दूत और नो लिटर जनरेशन के सदस्य हसन और कुछ अन्य लोगों के साथ मिल गया। हम हर मंगलवार और गुरुवार को स्कूल में पर्यावरण क्लब में मिलते हैं। हम एक साथ दि ग्लोब पढ़ते हैं और जितना संभव हो उतने बच्चों तक पहुंचने के बारे में बात करते हैं।''

''राजदूतों के रूप में हमारा काम अन्य बच्चों को उनके अधिकारों और पर्यावरण के बारे में सिखाना है। फिर जब वे घर जाते हैं तो वे अपने परिवार और पड़ोसियों को सिखाते हैं। मैं सबसे ज्यादा लड़कियों के अधिकारों के बारे में बात करता हूं। अतीत में, लड़कियों को पूरी तरह से कम से कम देखा गया था और उनकी कीमत नहीं थी, लेकिन हमारी पीढ़ी में हम इन दृष्टिकोणों को बदलने के लिए जो भी कर सकते हैं हम कर रहे हैं। ''

एक साथ

''यही कारण है कि जब लड़कियों की अधिकारों, लिंग समानता और पर्यावरण की बात आती है तो लड़कों के साथ मिलकर काम करना हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यहां, आदत और परंपरा से बाहर, लोग लड़कों को सुनते हैं जब उनको कुछ कहना होता है, उदाहरण के लिए कि लड़कियों के पास समान अधिकार होने चाहिए, या पर्यावरण महत्वपूर्ण है। अगर हम एक ही बात कहते हैं, तो यह अभी भी होता है कि हमारी राय गिनती नहीं है, और कई लोगों को संदेह है कि हम लिंग समानता नहीं चाहते हैं, लेकिन वास्तव में हम इसे लेना चाहते हैं, हमें लगता है कि हम लड़कों और पुरुषों से बेहतर हैं । जब हम सेना में शामिल होते हैं, तो लोग देखते हैं कि हम वास्तव में बराबर हैं।''

कोई लिटर नहीं दिवस

''कल हमारा नो लिटर दिवस था, और हमारे बाल अधिकार राजदूतों की बड़ी जिम्मेदारी थी। यह वास्तव में अव्यवस्थित एवं गंदा होता था, लेकिन चूंकि नो लिटर जनरेशन में हम ने लोगों ने पर्यावरण संबंधी मुद्दों से अवगत कराया, मुद्दों में वास्तव में सुधार आया है। यह स्पष्ट है कि लोग मुरेवा में अब कूड़े को इतना नहीं छोड़ना चाहते हैं।

हसन और किम्बर्ले के पर्यावरण क्लब में, कूड़े को किसी नए रूप में बदल दिया गया है ...

... बोतल के शीर्ष बैग बन जाते हैं ...

... जूते ...

... और कुर्सियां ...

... प्लास्टिक बैग वर्षा टोपियां बन जाते हैं ...

... कूड़ेदान वाले डिब्बे ...

... पुराने प्लास्टिक बैग कपड़े बन जाते हैं ...

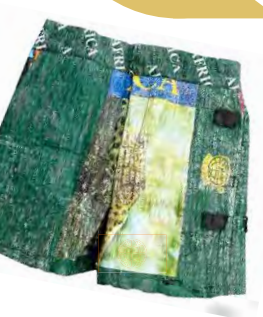

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTO: JOHAN BJERKE

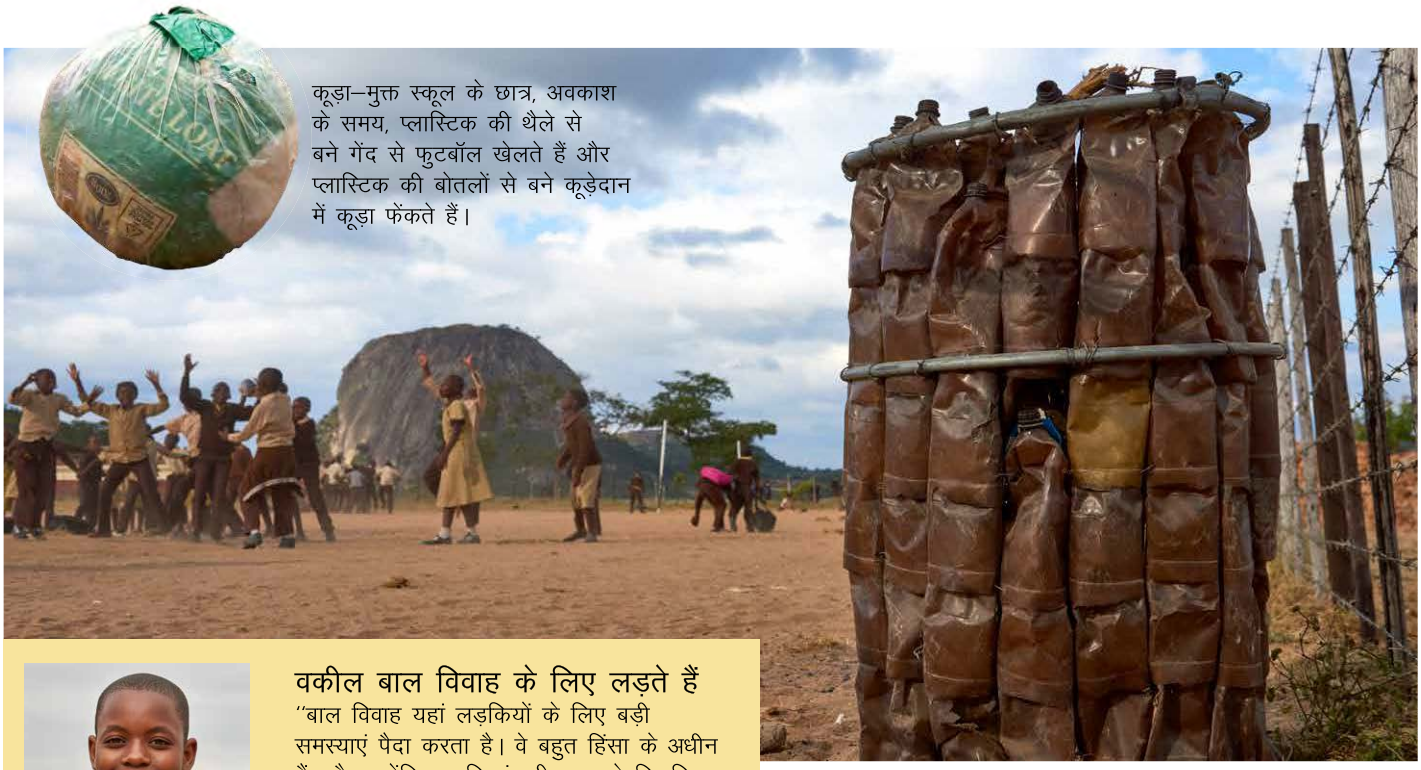

कूड़ा–मुक्त स्कूल के छात्र, अवकाश के समय, प्लास्टिक की थैले से बने गेंद से फुटबॉल खेलते हैं और प्लास्टिक की बोतलों से बने कूड़ेदान में कूड़ा फेंकते हैं।

वकील बाल विवाह के लिए लड़ते हैं

''बाल विवाह यहां लड़कियों के लिए बड़ी समस्याएं पैदा करता है। वे बहुत हिंसा के अधीन हैं, और क्योंकि लड़कियां पूरी तरह से विकसित नहीं हो पाती है, यदि वे गर्भवती हो जाती हैं, तो उनके साथ गंभीर समस्याएं हो सकती हैं और अंत में वे मर सकती हैं। मेरा सपना बाल अधिकारों का वकील बनना है जो उन बच्चों की रक्षा करे जिनके अधिकारों का उल्लंघन किया गया है,'' किम्बर्ले कहता है।

''पर्यावरण क्लब में हम जमीन पर पड़ी बोतलों से पुराने प्लास्टिक की बोतलों से कूड़ेदान बनाते हैं इसके बजाय कि उनको वैसा ही छोड़ देते जहां वे पर्यावरण को दूषित करतीं। अब पूरे स्कूल में कूड़ेदान हैं, लेकिन हमारा उद्देश्य उनको सार्वजनिक क्षेत्रों में विभिन्न स्थानों पर रखना है। हमारे बाल अधिकार राजदूत सिटी काउंसिल को लिखने और सुझाव देने की योजना बना रहे हैं। हम उन्हें नियमित रूप से आने और हमारे स्कूल के कूड़ेदानों को खाली करने के लिए भी कहेंगे, जिससे कूड़ा हमारे बच्चों के लिए यहां एक गंदा एवं अस्वास्थ्यकर वातावरण नहीं पैदा करें। यह हमारे अधिकारों के विरुद्ध होगा। ''

किम्बरले, 12, डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत,
हुरुंगवे प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल

दि ग्लोब सुझाव देता है

''दि ग्लोब इतना अच्छा है क्योंकि हम सीखते हैं कि विश्व भर के बच्चों ने अपनी समस्याओं का समाधान कैसे किया है। जब हम स्वयं को इस तरह की परिस्थितियों में पाते हैं, तो हम जानते हैं कि हमें क्या करना है,'' किम्बर्ले कहता है।

हम नो लिटर जनरेशन हैं!

... रस की बोतलें कूड़ेदान बन जाते हैं ...

... बिस्कुट पैकेट टोपी बन जाते हैं ...

... प्लास्टिक पैकेजिंग टूथब्रश धारक बन जाता है ...

... और पुराने टायर एवं शौचालय फूलों के लिए बागान बन जाते हैं!

हम वयस्कों को सिखाते हैं!

''आज हमने सारे शहर में प्रदर्शन किया और वयस्कों को सिखाया कि उन्हें कूड़े को नहीं फेंकना चाहिए, और रीसाइक्लिंग का महत्व भी। बहुत से वयस्क इस बात को नहीं जानते क्योंकि उन्होंने स्कूल में पर्यावरण के बारे में कभी नहीं सीखा। हम डब्लूसीपी कार्यक्रम और नो लिटर जनरेशन के माध्यम से बहुत सी नई चीजें सीखते हैं। अब हमारे पास वयस्कों को सिखाने का मौका है!''

''भविष्य में, मैं एक डॉक्टर बनना चाहती हूं।''

न्याशा, 12

हर जगह गंदगी और कांच की बोतलें

''आज हमारे वहां कोई लिटर नहीं दिवस था, जब हमने अपने क्षेत्र को साफ करने में मदद की। शहर के कुछ भागें बहुत गंदे हैं। कागज, नैपी पैडं, कांच की बोतलें, प्लास्टिक की बोतलें और पुराने बियर के कैन हर जगह पड़े थे। कूड़ा बहुत से लोगों को बीमार बनाता है और कई बच्चे स्वयं को टूटी हुई कांच की बोतलों से चोटिल हो जाते हैं। तुमको कोलेरा और टेटनस हो सकता है, और तुमको अच्छे उपचार की आवश्यकता है अन्यथा तुम मर सकते हो। लेकिन यहां पर बहुत से लोग डॉक्टर के पास जाने का जोखिम नहीं उठा सकते। अगर हम बच्चे प्रभारी होते, तो बाहर कोई कूड़ा नहीं होता!

''मैं एक पायलट बनने का सपना देखता और विश्व को देखने चाहता हूं।''

ली, 12

कूड़ेदानों का प्रयोग करें!

''नो लिटर जेनरेशन ने मुझे सिखाया है कि कचरा डिब्बे में सभी कूड़े फेंकना वाकई महत्वपूर्ण है, जमीन पर नहीं। उदाहरण के लिए, यदि आप प्रयुक्त नापियों को फेंक देते हैं, तो कुत्ते आ सकते हैं और उन्हें खा सकते हैं। तो शायद कुत्ते घर पर प्लेटों चाटना और फिर लोग वास्तव में बीमार हो सकते हैं। यह गलत है, क्योंकि हमें बच्चों को स्वच्छ वातावरण में रहने का अधिकार है, और हमारे पास स्वास्थ्य का अधिकार है।

''भविष्य में, मेरा सपना डॉक्टर बनना है।''

प्रिवेलेज, 12

स्वच्छ वातावरण का अधिकार!

''मैंने सीखा है कि सभी बच्चों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण का अधिकार है। डब्लूसीपी कार्यक्रम हमें अपने अधिकारों और खुद को बचाने के तरीके के बारे में सिखाता है। बहुत सी लड़कियों पर हमले होते है, लेकिन यह मामले अक्सर दबा दिये जाते हैं। लेकिन अब हम जानते हैं कि ये हमले हमारे अधिकारों का उल्लंघन हैं और इनकी हमें पुलिस को रिपोर्ट करने की आवश्यकता है। डब्लूसीपी वास्तव में महत्वपूर्ण है!

''मैं एक न्यायाधीश बनने का सपना देखता हूं और उन मामलों में विशेषज्ञता देता हूं जहां बच्चों से यौन शोषण किया गया है।''

रुविम्बो, 12

कोई लिटर राजदूत नहीं

''मैं पर्यावरण और पर्यावरण प्रदूषण में विशेषज्ञ हूं क्योंकि मेरे लिए यह सबसे महत्वपूर्ण बाल अधिकार मुद्दा है। नो लिटर दिवस से पहले, टीवी पर रेडियो जिम्बाब्वे और गुड मॉर्निंग जिम्बाब्वे पर मेरा साक्षात्कार प्रसारित किया गया था। मैं हर किसी, बच्चों और वयस्कों को समझाता हूं कि पर्यावरण एक बाल अधिकार का मुद्दा है! ''

नेटाली, 17, जिम्बाब्वे के चुने गए नो लिटर राजदूत

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTO: JOHAN BJERKE

जिम्बाब्वे का कोई लिटर राजदूत नहीं है।

हम विश्व को बेहतर बनाने जा रहे हैं!

"पिछली पीढ़ियों ने हमारे ग्रह को बर्बाद कर दिया है। लेकिन हम में से जो नो लिटर जनरेशन में शामिल हो गए हैं, वे विश्व को बेहतर बनाने जा रहे हैं। और यदि हमारे बाद आने वाली पीढ़ी पर्यावरण के बारे में और भी ज्ञान प्राप्त करती है, तो यह ग्रह को फिर से रहने के लिए एक शानदार जगह बना देगा। यही कारण है कि मेरा काम इतना महत्वपूर्ण है!" 17 वर्षीय नेटाली कहती है, जो जिम्बाब्वे की नो लिटर राजदूत है।

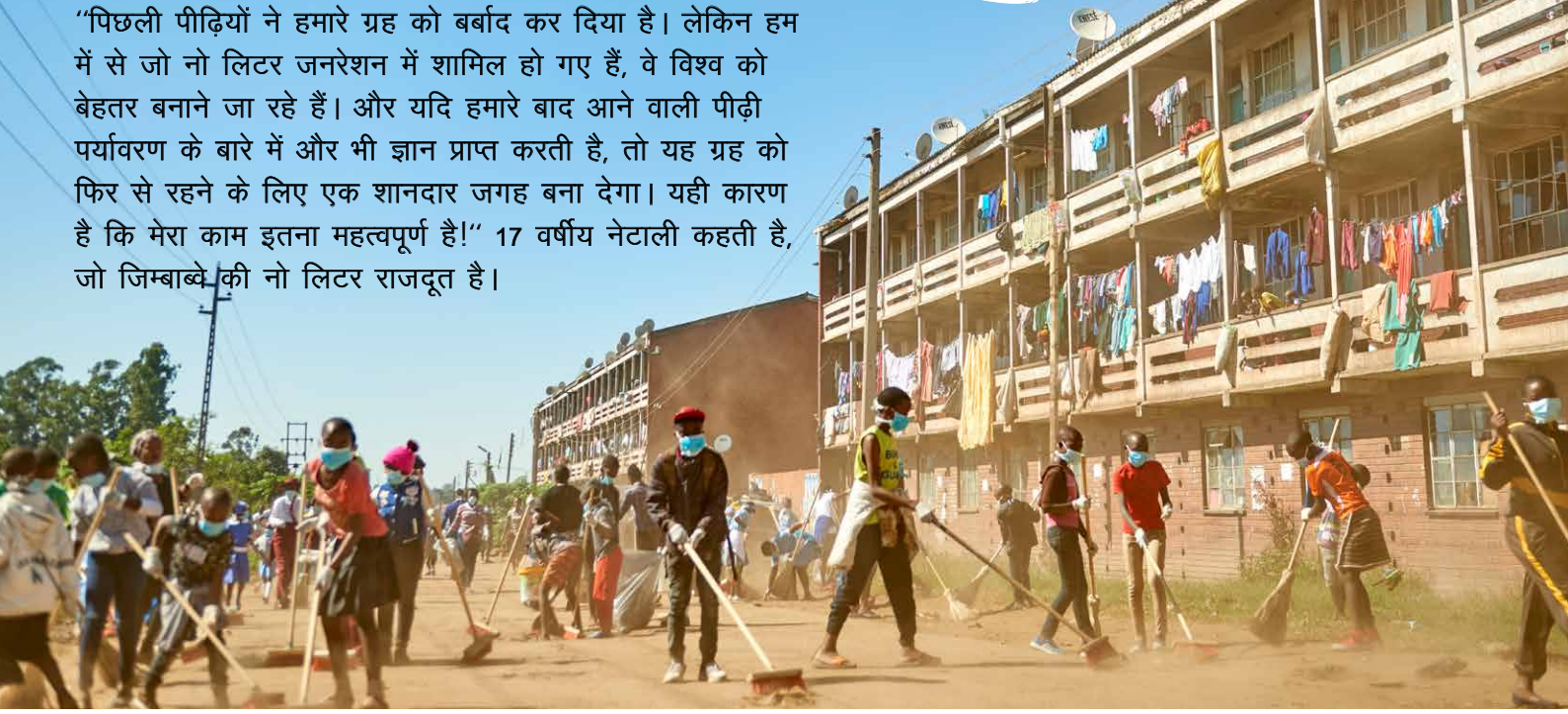

"मैं भाग्यशाली हूं किमुझे बाल अधिकारों में प्रशिक्षण और वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ के माध्यम से नो लिटर जनरेशन के लिए चुना गया है। अब मैं एक डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत हूं और मैंने पर्यावरण और पर्यावरण प्रदूषण में विशेषज्ञ होने का फैसला किया है क्योंकि मेरे लिए यह सबसे महत्वपूर्ण बाल अधिकार मुद्दा है। सभी बच्चों को स्वच्छ वातावरण और अच्छे स्वास्थ्य का अधिकार है। और खेलने का भी!

"लेकिन जब बच्चे कूड़े, कांच की बोतलें और स्प्लिंटर्स हर जगह खेलते हैं तो वे कैसे खेल सकते हैं कि वे खुद को चोट पहुंचा सकते हैं? मेरे दोस्तों में से एक चार साल पहले रोग टायफाइड से मर गया था, जो कूड़ेदान और दूषित वातावरण के कारण हुआ था। वह सिर्फ 14 साल का था। यह दुखद और गलत है, और यही वजह है कि मैंने पर्यावरणीय मुद्दों में दिलचस्पी लेना शुरू कर दिया।"

संयुक्त राष्ट्र विकास लक्ष्य

"मैंने डब्लूसीपी और दि ग्लोब के माध्यम से पर्यावरण के बारे में बहुत कुछ सीखा है। अब मुझे पता है कि संयुक्त राष्ट्र ने 2030 के लिए अपने प्रमुख वैश्विक सतत् विकास लक्ष्यों में से एक अधिक स्वच्छ पर्यावरण बनाया है, और मुझे लगता है कि यह वास्तव में अच्छा और बिल्कुल जरूरी है।"

"पिछली पीढ़ियों ने हमारे ग्रह को उत्सर्जन और कूड़ेदान से बर्बाद कर दिया है। प्लास्टिक और अन्य जहरीले अपशिष्ट हमारी नदियों, झीलों और महासागरों में समाप्त होते हैं और हमारे पीने के पानी को दूषित करते हैं, और हम बीमार हो जाते हैं और मर जाते हैं। यह जानवरों और समुद्र में भी जानवरों के साथ होता है। अगर हमारी पीढ़ी पर्यावरण की देखभाल शुरू नहीं करती है और इसे दूषित करने और कूड़ेदान को रोकना बंद कर देती है, तो हमारे लिए कोई भविष्य नहीं होगा। पूरा ग्रह नष्ट हो जाएगा। मैं अपने भविष्य के लिए लड़ना चाहता हूं!"

"हम लोगों को पर्यावरण के लिए हमारे काम के बारे में बताने और कूड़ेदान से लड़ने के लिए मीडिया का उपेयोग करते हैं। हम लोगों के ज्ञान को बढ़ाना चाहते हैं," नेटाली बताते हैं।

टीवी पर बात कर रहे हैं

"मेरी प्रतिबद्धता का मतलब है कि मुझे पूरे जिम्बाब्वे के लिए नो लिटर राजदूत चुना गया है, और मुझे इस भूमिका पर बहुत गर्व है। मेरा काम हर किसी, बच्चों और वयस्कों को समझा देना है कि पर्यावरण एक बाल अधिकार का मुद्दा है। और एक नो लिटर राजदूत के रूप में, मुझे प्राइम टाइम के दौरान रेडियो और टीवी पर बात करने का अवसर मिला है।"

"मेरी मां हमेशा कहती है 'स्वच्छता भगवान के बगल में है!" नेटली, हँसते हुए कहती है।

मोबारे में नो लिटर जनरेशन के कूड़ेदान और समर्थन के खिलाफ प्रदर्शन, जो राजधानी हरारे की सबसे पुरानी टाउनशिप है।

''हरारे के टाउनशिप की राजधानी में हमारे नो लिटर दिवस की दौड़ में, मुझे रेडियो जिम्बाब्वे और टीवी कार्यक्रम गुड मॉर्निंग जिम्बाब्वे पर साक्षात्कार दिया गया था। जब मैंने सभी माइक्रोफोन और कैमरों को देखा और महसूस किया कि पूरे देश में हर कोई मुझे देखेगा और सुनेगा, तो मैं वास्तव में घबरा गई। लेकिन फिर मुझे 'वाओ' की भावना महसूस हुई, अब हर कोई मुझे सुन सकता है! यह इतना महत्वपूर्ण लगा।''

''पत्रकारों ने मुझसे पूछा कि एक डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत बनने का क्या मतलब है और मुझे लगता है कि बाल अधिकारों और पर्यावरण की बात आने पर सरकार को क्या करना चाहिए। लाखों श्रोताओं और दर्शकों को यह बताने का एक अद्भुत मौका था कि हम अपने भविष्य के लिए युवा लोग क्या चाहते हैं, कि सरकार को हमारे अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए और पर्यावरण के लिए खड़े रहना चाहिए। यह सबसे अच्छा मंच था जिसे हम उम्मीद कर सकते थे!''

''मुझे लगता है कि एक स्वच्छ वातावरण 2030 के लिए संयुक्त राष्ट्र का सबसे महत्वपूर्ण सतत् विकास लक्ष्य है क्योंकि अन्यथा हमारा ग्रह नष्ट हो जाएगा,'' नेटाली कहती है।

मबारे में नो लिटर दिवस में भाग लेने के लिए पंजीकरण।

कोई लिटर दिवस नहीं

''जब हमने रेडियो और टीवी का इस्तेमाल किया तो हमें शानदार कवरेज मिला। बहुत सारे लोग, वयस्क और बच्चे जो अन्यथा हमारे सफाई दिवस से अवगत नहीं थे, हमारे नो लिटर दिवस पर आये।''

''कई वयस्कों ने मुझे बताया कि वे शर्मिंदा थे कि यह हम बच्चे और युवा लोग थे जो गंभीर समस्याओं को इंगित कर रहे थे और बदलाव के लिए पहल कर रहे थे और कुछ अच्छा कर रहे थे। मुझे रेडियो पर सुनकर उन्हें बस आना और मदद करना पड़ा!''

''हमने एमबीएआर की टाउनशिप में अपना नो लिटर दिवस मनाने के लिए चुना। यह बहुत गरीब क्षेत्र है जिसमें बहुत कूड़ेदान हैं। निर्णय लेने वालों में से कोई भी, न तो नगर परिषद, सरकार और न ही राष्ट्रपति, को इसकी परवाह हैं। और शहर की सफाई और कचरा संग्रह सेवाएं वहां काम नहीं करती हैं। सिर्फ कचरे के

प्लास्टिक से बने अपने कपड़े

''हमने अपने सामान्य कपड़ों को गंदगी से बचाने के लिए कचरे के बैगों से वस्त्र बनाये हैं जिससे हमारे साधारण वस्त्र गंदगी से बचे रहें, साहा ही इस महत्वपूर्ण दिन पर हम वास्तव में अच्छे भी दिखें!'' दोस्तें सेल्मा और समांथा कहती हैं।

ढेर हर समय और बड़े हो रहे हैं। यहां तक कि बच्चों के खेल क्षेत्र भी कूड़े से ढक गए हैं। शहर के समृद्ध भागें में वे सफाई और कचरा संग्रह सेवाओं का काम कर रहे हैं। मुझे नहीं पता कि यह ऐसा क्यों है, लेकिन यह गलत है!''

खुद का कूड़े वाला ट्रक

''कोई लिटर दिवस से पहले, हमने हरारे सिटी काउंसिल से संपर्क किया और पूछा कि क्या वे एक कूड़े उठाने वाला ट्रक दिलवा सकते हैं क्योंकि हमें एहसास हुआ कि जब हम मोबारे में सफाई शुरू करेंगे तो वहां बड़ी मात्रा में कचरा होगा। वे मदद करने के लिए तैयार थे, जो हमारे लिए भाग्यशाली था! हमने इतना कचरा इकट्ठा किया कि इसका वजन करना पूरी तरह असंभव था। मुझे लगता है कि मैंने सुना है कि ट्रक ने 10 घन मीटर कचरा उठाया, और यह ऊपर तक भरा हुआ था!''

''मुझे आशा है कि कचरा ट्रक अब मबारे में आता रहेगा और लोगों के कचरे को इकट्ठा करेगा। राजनेता जो शहर में निर्णय लेते हैं उन्हें बहुत शर्मिंदा होना चाहिए कि उन्हें कुछ तो करना है!''

''लेकिन अगर कचरा ट्रक आता है, तो मुझे संदेह है कि शहर का कचरा रीसाइक्लिंग अच्छी तरह से काम नहीं कर रहा है। कुछ कूड़े का पुनर्नवीनीक. रण किया जाता है, लेकिन इस सब से बहुत दूर। उन्होंने प्लास्टिक के साथ थोड़ा सा शुरू किया है, लेकिन कंपोस्टे. बल अपशिष्ट, उदाहरण के लिए, बिल्क. ुल उपयोग नहीं किया जाता है। एक डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत के रूप में, यहां मेरे सामने एक महत्वपूर्ण काम है। वो राजनेताओं जो हमारे शहर में निर्णय लेते हैं और उन्हें प्रभावित करते हैं, को इसके प्रति जागरूक करना।''

नमस्ते और शुक्रिया!

शहर ने एक कूड़ा उठाने वाला ट्रक प्रदान किया, जिसने नो लिटर दिवस पर बच्चों द्वारा एकत्र किए गए सभी कूड़े को उठा लिया

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTO: JOHAN BJERKE

WWW.WORLDSCHILDRENSPRIZE.ORG/NOLITTERGENERATION